SHRI LAL BAHADUR SHASTRI NATIONAL SANSKRIT UNIVERSITY

www.slbsrsv.ac.in

B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi – 110016

Phone: (91) 11- 46060606

Criteria-1

Curricular Aspects

1.2

Academic Flexibility

1.2.1

Whether the University has designed and offered any Innovative Courses/ Courses in emerging area/ Sanskrit based courses including scientific and technical literature leading to both traditional and modern degrees (e.g. Shastri, B.Sc. etc) with combination of yoga/ Ancient and Modern Mathematics/ Economics/ Management/ Law/ Computer Science/ Theoretical Ayurveda/ Krishi-parashara/ Vrikshayurveda etc. If yes give details.

Minutes of relevant Academic Council/BOS meeting

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

बी-४ कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-११००१६

दिनांक १८.०१.२०२२ को अपराह्न २.०० बजे ऑनलाइन/ऑफलाइन माध्यम से आयोजित विद्यापरिषद् की पंचम बैठक का कार्यवृत्त।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), नई दिल्ली की विद्या परिषद् की पंचम बैठक दिनांक 18.01.2022 को अपराह्न 2.00 बजे कुलपति महोदय की अध्यक्षता में वाचस्पति सभागार में सम्पन्न हुई। कोविड-19 महामारी के कारण इस बैठक का आयोजन द्विप्रकारक (ऑफलाइन/ऑनलाइन) उपस्थिति के माध्यम से किया गया। बैठक में निम्नलिखित सदस्यों ने भाग लिया:-

1.	प्रो. मुरलीमनोहर पाठक	अध्यक्ष	(ऑफलाइन)
2.	प्रो. मृदुला त्रिपाठी	बाह्य सदस्या	(ऑनलाइन)
3.	प्रो. बनारसी त्रिपाठी	बाह्य सदस्य	(ऑनलाइन)
4.	प्रो. मनोज कुमार मिश्र	बाह्य सदस्य	(ऑनलाइन)
5.	प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय	सदस्य	(ऑफलाइन)
6.	प्रो. पीयूष कान्त दीक्षित	सदस्य	(ऑनलाइन)
7.	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	सदस्य	(ऑफलाइन)
8.	प्रो. रमेश प्रसाद पाठक	सदस्य	(ऑनलाइन)
9.	प्रो. वीर सागर जैन	सदस्य	(ऑनलाइन)
10.	प्रो. जयकान्त सिंह शर्मा	सदस्य	(ऑफलाइन)
11.	प्रो. केदार प्रसाद परोहा	सदस्य	(ऑफलाइन)
12.	प्रो. सदन सिंह	सदस्य	(ऑफलाइन)
13.	प्रो. सविता	सदस्या	(ऑफलाइन)
14.	प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ल	सदस्य	(ऑफलाइन)
15.	प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी	सदस्य	(ऑफलाइन)
16.	प्रो. सुदीप कुमार जैन	सदस्य	(ऑफलाइन)
17.	डॉ. एस सुदर्शन	सदस्य	(ऑफलाइन)
18.	प्रो. मारकण्डेनाथ तिवारी	सदस्य	(ऑफलाइन)
19.	प्रो. रामानुज उपाध्याय	सदस्य	(ऑफलाइन)

उद्देश्यों की पूर्ति हेतु निर्धारित सत्रीय पाठ्यक्रम की रूप-रेखा एवं अन्य अर्हताओं को निर्धारित करने हेतु द्विभागीय विद्वानों एवं वाह्य विशेषज्ञों की दिनांक 31.12.2021 को ऑनलाईन/ऑफलाईन माध्यम से बैठक आयोजित की गई। विद्या परिषद् द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में प्रदत्त उद्देश्यों को संज्ञान में लेते हुए शैक्षणिक सत्र 2022-23 से योग विज्ञान विभाग के अर्न्तगत योग विषय में विद्यावारिधि पाठ्यक्रम (पीएच.डी.) संचालित करने की स्वीकृति प्रदान की गई। प्रवेश प्रक्रिया विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम 2016 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुपालन में पूर्ण की जाएगी।

संकल्प संख्या ५.१४: योग विभाग के अर्न्तगत पृथक् से योग एवं नैचुरोपैथी का एक वर्षीय पी.जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करने तथा बी.ए. एवं एम.ए. (योग) के छात्रों को छात्रवृत्ति हेतु योग विभाग द्वारा प्रेषित प्रस्ताव विद्या परिषद् के अवलोकनार्थ प्रस्तुत।

योग विभाग द्वारा उपर्युक्त विषय के सबध में प्रस्तुत प्रस्ताव एवं विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् द्वारा उक्त विषयों पर पूर्व में लिए गए निर्णयों को संज्ञान में लेते हुए सर्वसम्मति से निम्नलिखित सुझाव पारित किए:-

1. विभागाध्यक्ष, योग विभाग द्वारा योग विभाग के अन्तर्गत एक वर्षीय योग एव प्राकृतिक चिकित्सा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम (One Year Yoga and Naturopathy P.G. Diploma Course) स्ववित्तपोषित अंशकालीन पाठ्यक्रम के अन्तर्गत संचालित करने हेतु विद्या परिषद् द्वारा सैद्धान्तिक रूप से स्वीकृति प्रदान की गई। पाठ्यक्रम को संचालित करने हेतु प्रवेश अर्हता, प्रवेश शुल्क, प्रवेश हेतु स्थान तथा पाठ्यक्रम (सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक) को तैयार करने हेतु योग विभाग द्वारा अध्ययन मण्डल की बैठक आयोजित कर कृत कार्यवाही की रिपोर्ट स्वीकृति हेतु प्रस्तुत की जाए।

पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रायोगिक कक्षाओं के संचालन हेतु सम्बन्धित स्थानीय संस्थानों के साथ तालमेल तथा सहमति ज्ञापन पत्र तैयार करने हेतु विभागाध्यक्ष, योग विभाग को अधिकृत किया गया है। योग विभाग द्वारा समस्त प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरान्त तथा सक्षम संस्थाओं (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्, आयुष मंत्रालय व अन्य) द्वारा स्वीकृति के पश्चात् ही शैक्षणिक सत्र 2022-23 से इस पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ की जाएगी।

2. कुलसचिव महोदया द्वारा अवगत करवाया गया कि विश्वविद्यालय नियमानुसार विश्वविद्यालय मे अध्ययन कर रहे छात्रों को छात्रवृत्ति देने का प्रमुख उद्देश्य प्राच्यपद्धति में संस्कृत शिक्षा ग्रहण करने हेतु छात्रों को प्रात्साहित करना है। विद्या परिषद् द्वारा यह सुझाव दिया गया कि बी.ए. योग एवं एम.ए. योग में प्रविष्ट छात्रों को छात्रवृत्ति का भुगतान करने हेतु प्रस्ताव वित्त समिति एवं कार्य परिषद् की बैठक मे प्रस्तुत किया जाए तथा उनकी स्वीकृति के उपरान्त विश्वविद्यालय बजट मे प्रावधान होने तथा धनराशि की उपलब्धता के अनुसार किया जाए। इस सम्बन्ध में सम्बन्धित विभाग द्वारा विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर लेखा विभाग के माध्यम से वित्त समिति की आगामी बैठक मे प्रस्तुत किया जाए।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय-विश्वविद्यालय)

बी-४, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-११००१६

विषय : दिनांक २४.०६.२०२४ को पूर्वाह्न ११.३० बजे आयोजित विद्या परिषद् की नौवीं बैठक का कार्यवृत्त।

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), नई दिल्ली की विद्या परिषद् की नौवीं बैठक दिनांक 24.06.2024 को पूर्वाह्न 11.30 बजे कुलपति महोदय की अध्यक्षता में ऑफलाइन/ऑनलाइन माध्यम से वाचस्पति सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में निम्नलिखित सदस्यों ने भाग लिया :-

1.	प्रो. मुरलीमनोहर पाठक	अध्यक्ष	
2.	प्रो. मृदुला त्रिपाठी	बाह्य सदस्य	(ऑनलाईन)
3.	प्रो. वनारसी त्रिपाठी	बाह्य सदस्य	(ऑनलाईन)
4.	प्रो. मनोज कुमार मिश्र	बाह्य सदस्य	
5.	प्रो. रमेश प्रसाद पाठक	सदस्य	
6.	प्रो. प्रेम कुमार शर्मा	सदस्य	(ऑनलाईन)
7.	प्रो. सदन सिंह	सदस्य	
8.	प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी	सदस्य	(ऑनलाईन)
9.	प्रो. ए.एस. अरावमुदन	सदस्य	
10.	प्रो. भागीरथि नन्द	सदस्य	
11.	प्रो. शुकदेव भोई	सदस्य	
12.	प्रो. मीनू कश्यप	सदस्य	
13.	प्रो. शीतला प्रसाद शुक्ल	सदस्य	
14.	प्रो. कल्पना जैन	सदस्य	
15.	प्रो. सुदीप कुमार जैन	सदस्य	
16.	प्रो. वीर सागर जैन	सदस्य	
17.	प्रो. मारकण्डेनाथ तिवारी	सदस्य	
18.	प्रो. देवेन्द्र प्रसाद मिश्र	सदस्य	
19.	प्रो. दिवाकर दत्त शर्मा	सदस्य	
20.	प्रो. यशवीर सिंह	सदस्य	
21.	प्रो. रचना वर्मा मोहन	सदस्य	
22.	प्रो. शिवशंकर मिश्र	सदस्य	
23.	प्रो. राम चन्द्र शर्मा	सदस्य	
24.	प्रो. राम सलाही द्विवेदी	सदस्य	(ऑनलाईन)

विनियम में प्रदत्त सभी नियमों तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों से भी अवगत करवाया जाए ताकि शोध छात्रों को अपना शोध प्रबन्ध तैयार करते समय किसी प्रकार की असुविधा न हो।

संकल्प संख्या ९.१२ : शैक्षणिक सत्र 2023-24 हेतु छात्र कल्याण परिषद् गठित करने हेतु समिति की बैठक का कार्यवृत्त विद्यापरिषद् की पुष्टि हेतु सादर प्रस्तुत।

शैक्षणिक नियम परिचायिका 2023-24 में प्रदत्त नियमानुसार विश्वविद्यालय के सभी छात्रों में दृढ़-संकल्प एवं निष्ठापूर्वक सामाजिक, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक-विकास के लिए, नियमित एवं संगठित-जीवन के लिए, अधिकारी, कर्मचारी एवं अध्यापक-वर्ग के साथ समन्वयात्मक-सम्बन्ध स्थापित करने के लिए शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए छात्रकल्याण-परिषद् के गठन की विद्या परिषद् द्वारा पुष्टि की गई।

संकल्प संख्या ९.१३ : दिनांक 4.1.2024 एवं 1.5.2024 को आयोजित आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की बैठकों में लिए गए निर्णयों का कार्यवृत्त विद्या परिषद् की पुष्टि हेतु प्रस्तुत।

विद्या परिषद् द्वारा दिनांक 4.1.2024 एवं 1.5.2024 को सम्पन्न हुई आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की बैठकों में लिए गए निर्णयों का कार्यवृत्त की पुष्टि की गई तथा जिन विषयों पर कृत कार्यवाही किन्हीं कारणवश अभी तक अपेक्षित है, सम्बन्धित विभाग/समिति उन विषयों पर यथाशीघ्र आवश्यक कार्यवाही सम्पन्न कर कृत कार्यवाही की रिपोर्ट स्वीकृति हेतु प्रस्तुत करें ।

संकल्प संख्या ९.१४ : दिनांक 19.6.2023 को आयोजित विद्या परिषद् की सातवी बैठक में लिए गए निर्णयानुसार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशानुसार Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes के अनुपालन में विभागीय अध्ययन मण्डल द्वारा तैयार पाठ्यक्रम विद्या परिषद् की पुष्टि हेतु सादर प्रस्तुत।

दिनांक 19.06.2023 को आयोजित विद्या परिषद् की सातवीं बैठक के संकल्प संख्या 7.3 में लिये गये निर्णय के अनुपालन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुसार विश्वविद्यालय के सम्बन्धित विभागों द्वारा शास्त्री/बी.ए. योग कक्षा हेतु 03/04 वर्षीय अवधि के मापदंडों के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु सम्बन्धित विभाग के अध्ययन मण्डलों की बैठक आयोजित कर Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार किये जा चुके हैं। विद्या परिषद् द्वारा अध्ययन मंडलों द्वारा तैयार पाठ्यक्रमों की पुष्टि की गई तथा यह सुझाव भी दिया गया कि सम्बन्धित विभाग Curriculum and Credit Framework for Undergraduate Programmes के अन्तर्गत निर्धारित पाठ्यक्रम संरचना के अनुसार ही अध्ययन-अध्यापन सुनिश्चित करें तथा अपने-अपने विभाग में पंजीकृत छात्रों को नवीन पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी भी प्रदान करें। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी पाठ्यक्रम दिशा-निर्देशों के क्रियान्वयन करने हेतु आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा आवश्यकतानुसार कार्यशाला

Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
(Central University) B-4 Qutab Institutional Area
New Delhi-110016

Department of Modern Knowledge (Adhunik Gyan)

As per the office order no F-3(69)/LBSN/2022-23/ dated 05/07/2023, Board of Studies meeting was held at the Department of Modern Knowledge (Adhunik Gyan) on 10/07/2023 at Room 113 (HoD's Room) at 1400hrs.

The following members were present at the meeting

1. Dr. Adesh Kumar (HoD, Department of Modern Knowledge)
2. Aditya Pancholi (Department of Modern Knowledge)
3. Dr. sumita Tripathi (Department of Modern Knowledge)
4. Prof. Vishal Bhatnagar (External Expert, N.S.U.I.T. Delhi)

The following syllabus were passed in the meeting

S.No.	Title	Course & Semester	Course Category	Credits
1	Fundamentals of Computer Science	Shastri /BA 1 Sem	Skill Development Course (SCE)	3
2	Information Technology and Security	Shastri /BA 2 Sem	Skill Development Course (SCE)	3
3	Introduction to Programming using Python	Shastri /BA 3 Sem	Skill Development Course (SCE)	3
4	Programming Fundamentals using C	Shastri /BA 1 Sem	Multi-Disciplinary Course (MD)	3
5	Data Structures	Shastri /BA 2 Sem	Multi-Disciplinary Course (MD)	3
6	HTML and Web Development	Shastri /BA 3 Sem	Multi-Disciplinary Course (MD)	3
7	Emerging Trends and Technologies	Shastri /BA 1 Sem	Value Added Course (VAC)	4
8	Artificial Intelligence	Shastri /BA 2 Sem	Value Added Course (VAC)	4

As per the new UGC guidelines, these courses are either newly designed or at least 60% of old curriculum has been revised.

Dr. Adesh Kumar 10/7/2023 | Aditya Pancholi 10/07/2023 | Dr. sumita Tripathi 10/7/23 | Prof. Vishal Bhatnagar 10/7/2023

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी–४, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
(Central University) B-4 Qutub Institutional Area
New Delhi-110016

Skill Development Course

In compliance with the National Education Policy 2020,

Shastri/B.A. Yoga, 1st Year, Semester-I (Computer Science)

and S.C.E. Syllabus ready format of the subject.

Subject: Fundamentals of Computer Science

Paper No.: **Dept. of Adhunik Gyan**

Unit	Subject:	Marks	Credits
1	**Introduction:** Definition of Computers, Evolution of Computers, Characteristics and its Uses, Advantages and Disadvantage. **Computer Organization:** Input and Output Devices, Central Processing Unit, Types of Memory, Units of Memory, Storage Devices. **Software:** Hardware vs Software, Types of Software, Programming Languages, Language Translators, Operating System, Functions of an Operating System.	20	1
2	**Encoding Scheme:** ASCII, ISCII, UNICODE. **Number System:** Representation of Numbers, Conversion between number systems for Decimal, Binary, Octal and Hexadecimal Number Systems.	20	1
3	**Office Tools:** Word Processing Presentations	20	1
	Practical based on Unit-3	20	
	Internal Assessment	20	
	Total	**(60+20+20 = 100)**	3

Reference Books:

1. Computer Fundamentals: 6th Edition, Pradeep K. Sinha, Preeti Sinha, BPB Publications.
2. Computer Fundamentals: Anita Goel, Pearson Education

As per new guidelines of UGC 60% syllabus of old curriculum has been revised.

Assistant Registrar (Academic)
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
B-4 Qutub Institutional Area New Delhi-110016

Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
(Central University) B-4 Qutub Institutional Area
New Delhi-110016

Skill Development Course

In compliance with the National Education Policy 2020,

Shastri/B.A. Yoga, 1st Year, Semester-II (Computer Science)

and S.C.E. Syllabus ready format of the subject.

Subject: Information Technology and Security

Paper No.: **Dept. of Adhunik Gyan**

Unit	Subject:	Marks	Credits
1	**Computer Networks:** Introduction to Networks, Evolution of Networking, Types of Networks, Networking devices, Network Topologies, Internet, Web, Internet of Things, DNS. **Data Communication:** Components of Data Communication, Measuring Capacity of Communication Media, Types of Communication, Transmission Media, Mobile Telecommunication.	20	1
2	**Security Aspects:** Threats and Prevention, Malware, Antivirus, Spam, HTTP vs HTTPS. Firewall, Cookies, Hackers and Crackers, Network Security Threats. Intellectual Property Rights, Privacy, Cyber Crime, illegal Downloads, Child pornography, Scams, IT Act 2000. **Social Media and Awareness**: Definition of Social Media, Types of Social Media, Importance of Social Media in the Modern World, Social Media Problem: Cyber Bullying, Exclusion, Harassment, Stalking, Trolling, Tricking, Social Media Addiction: Causes and Solutions. Content Credibility, Fake News, Social Media and Mental Health	20	1
3	**Office Tools:** Forms Spread sheets	20	1
	Practical based on Unit-3	20	
	Internal Assessment	20	
	Total	**(60+20+20 = 100)**	3

Assistant Registrar (Academic)
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

Reference Books:

1. Computer Fundamentals: 6th Edition, Pradeep K. Sinha, Preeti Sinha, BPB Publications.
2. Computer Fundamentals: Anita Goel, Pearson Education
3. Framework & Guidelines for Use of Social Media for Government Organisations, Department of Electronics and Information Technology Ministry of Communications & Information Technology Government of India

As per new guidelines of UGC 60% syllabus of old curriculum has been revised.

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
(Central University) B-4 Qutub Institutional Area
New Delhi-110016

Skill Development Course

In compliance with the National Education Policy 2020,

Shastri/B.A. Yoga, 2nd Year, Semester-III (Computer Science)

and S.C.E. Syllabus ready format of the subject.

Subject: Introduction to Programming using Python

Paper No.: **Dept. of Adhunik Gyan**

Unit	Subject:	Marks	Credits
1	**Introduction:** Python as a Programming Language, Keywords, Identifiers, Variables, Comments, Data Types, Operators, Expressions, Statements, Input and Output, Type Conversion.	20	1
2	**Flow Control:** Indentation, Selection, Repetition, Break and Continue, Nested Loops **Functions:** Standard Library and Built in Functions, User Defined Functions, Scope of Variables, Recursion.	20	1
3	**Advance Data Types:** Strings, Lists, Tuples and Dictionaries	20	1
	Practical based on Units 1 to 3	20	
	Internal Assessment	20	
	Total	**(60+20+20 = 100)**	3

Reference Books:

1. Guttag, J.V. (2016). Introduction to computation and programming using Python. 2nd edition. MIT Press.
2. Taneja, S., Kumar, N. (2018). Python Programming- A modular Approach. Pearson Education India.
3. Kamthane, A. N., & Kamthane, A.A. (2017) Programming and Problem Solving with Python, McGraw Hill Education.
4. Liang, Y. D. (2013). Introduction to Programming using Python. Pearson Education.

As per new guidelines of UGC 60% syllabus of old curriculum has been revised

Assistant Registrar (Academic)
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
(Central University) B-4 Qutub Institutional Area
New Delhi-110016

Multi-disciplinary Course

In compliance with the National Education Policy 2020,

Shastri/B.A. Yoga, 1st Year, Semester-I (Computer Science)

and M.D. Syllabus ready format of the subject.

Subject: Programming Fundamentals using C

Paper No.: **Dept. of Adhunik Gyan**

Unit	Subject:	Marks	Credits
1	**Introduction :** C as a programming language, Structure of C Program, Keywords, Tokens, Data-types, Constants, Literals and Variables Operators and Expression: Arithmetic operators, Logical operators, Relational operators, Operator precedence and associativity. I/O and formatting, Library files.	20	1
2	**Control Construct:** if-else, conditional operators, switch and break, Loops: while, do-while, for loop, break and continue, goto and label. **Functions:** Definition of function, function components: arguments, return value, function prototype, call by value and call by reference, Scope and lifetime of variable, Recursion.	20	1
3	**Arrays:** Array declaration, one and two dimensional arrays, multidimensional arrays. **Pointers:** Pointer definition, Use of pointers.	20	1
	Practical based on Units 1 to 3	20	
	Internal Assessment	20	
	Total	**(60+20+20 = 100)**	3

Reference Books:

1. Programming in ANSI C, E Balagurusamy, Tata McGraw-Hill, Third Edition.
2. Let Us C, Yashwant Kanetkar, Infinity Science Press, Eight Edition.
3. Mastering C, K Venugopal, Tata McGraw-Hill, First Edition.

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-४, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-११००१६
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

4. The C programming language, Brian W. Kernighan, Dennis M. Ritchie, Prentice Hall, 2 nd Edition.

As per new guidelines of UGC 60% syllabus of old curriculum has been revised

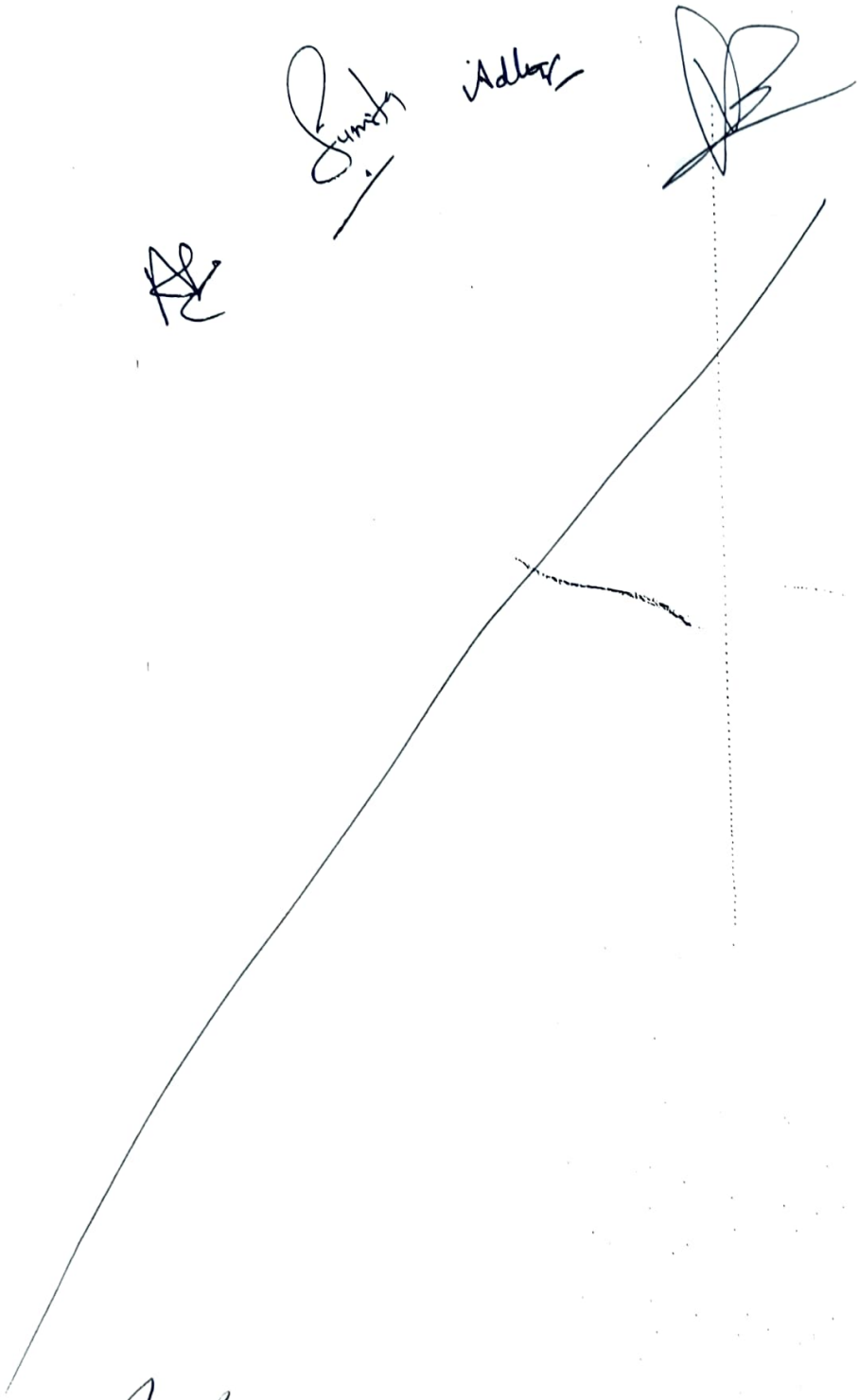

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
पी–४, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
P-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
(Central University) B-4 Qutub Institutional Area
New Delhi-110016

Multi-disciplinary Course

In compliance with the National Education Policy 2020,

Shastri/B.A. Yoga, 1st Year, Semester-II (Computer Science)

and M.D. Syllabus ready format of the subject.

Subject: Data Structures **Dept. of Adhunik Gyan**

Paper No.:

Unit	Subject:	Marks	Credits
1	**Introduction :** Introduction to Data structure: Definition of data Structure, Review of basic concepts of Linear Data Structures, Recursion Arrays as data structure, String as Data Structure.	20	1
2	**Linked Lists:** Singly Linked List, Doubly linked lists, Circular linked lists, Dynamic storage management **Stacks and Queues:** Definition, Representations and Applications. Double Ended Queue, Priority Queue, Infix, prefix and Postfix Notations and conversions.	20	1
3	**Searching:** Linear Search, Binary search. **Sorting:** Selection sort, Bubble sort, Insertion Sort, Merge sort	20	1
	Practical based on Units 1 to 3	20	
	Internal Assessment	20	
	Total	**(60+20+20 = 100)**	3

Reference Books:

1. Fundamentals of Data Structures in C, 2nd Edition, E. Horowitz, S. Sahni and Susan Anderson Freed, Universities Press.
2. Data Structures using C – A. S. Tanenbaum, Y. Langsam, and M.J. Augenstein, PHI/Pearson Education.

As per new guidelines of UGC 60% syllabus of old curriculum has been revised

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
(Central University) B-4 Qutub Institutional Area
New Delhi-110016

Multi-disciplinary Course

In compliance with the National Education Policy 2020,
Shastri/B.A. Yoga, 2nd Year, Semester-III (Computer Science)
and M.D. Syllabus ready format of the subject.

Subject: HTML and Web Development **Dept. of Adhunik Gyan**

Paper No.:

Unit	Subject:	Marks	Credits
1	**Introduction to HTML:** What is HTML?, HTML Documents, Basic structure of an HTML document, Creating an HTML document, Mark up Tags, Heading-Paragraphs, Line Breaks, HTML Tags.	20	1
2	**Elements of HTML:** Introduction to elements of HTML, Working with Text, Working with Lists, Tables and Frames, Working with Hyperlinks, Images and Multimedia, Working with Forms and controls, Introduction to CSS.	20	1
3	**Basics in Web Design:** Brief History of Internet, What is World Wide Web, Why create a web site, Web Standards, Audience requirement. **Web Design Principles:** Basic principles involved in developing a web site, Planning process, Five Golden rules of web designing, Designing navigation bar, Page design, Home Page Layout, Design Concept.	20	1
	Practical based on Units 1 to 3	20	
	Internal Assessment	20	
	Total	**(60+20+20 = 100)**	3

Reference Books:

1. HTML and CSS: Design and Build Websites
2. HTML5: Designing Rich Internet Applications by Matthew David
3. Introducing HTML5 by Remy and Bruce

As per new guidelines of UGC 60% syllabus of old curriculum has been revised

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
नई दिल्ली-110016

Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
(Central University) B-4 Qutub Institutional Area
New Delhi-110016

Value Added Course

In compliance with the National Education Policy 2020,
Shastri/B.A. Yoga, 1st Year, Semester-I (Computer Science)
and V.A.C. Syllabus ready format of the subject.

Subject: Emerging Trends and Technologies
Paper No.: **Dept. of Adhunik Gyan**

Unit	Subject:	Marks	Credits
1	**Artificial Intelligence and Machine Learning:** Introduction and History of A.I., Human Vs Artificial Intelligence, Applications in everyday life, Jobs in A.I., Machine Learning, Deep Learning, Neural Networks	20	1
2	**Data Mining:** Introduction to Data Mining, Goals of Data Mining, Data Mining Process, Data Mining Techniques: Supervised and Unsupervised Learning, Applications, Big Data Analysis.	20	1
3	**Cloud Computing:** Origins of Cloud computing – Cloud components - Essential characteristics – On-demand self-service, Broad network access, Location independent resource pooling ,Rapid elasticity , Measured service, Comparing cloud providers with traditional IT service providers, Roots of cloud computing	20	1
	Project Based on Units 1 to 3	20	1
	Internal Assessment	20	
	Total	**(60+20+20 = 100)**	4

Reference Books:

1. Artificial Intelligence: 2nd Edition, E. Rich & K. Knight, McGraw Hill Education
2. Data Mining: Concepts And Techniques 3rd Edition by Jain Pei and Jiawei Han and Micheline Kamber, Elsevier Science
3. Cloud computing a practical approach - Anthony T.Velte , Toby J. Velte Robert Elsenpeter, TATA McGraw- Hill , New Delhi – 2010

As per new guidelines of UGC 60% syllabus of old curriculum has been revised

Assistant Registrar (Academic)
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University

Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
(Central University) B-4 Qutub Institutional Area
New Delhi-110016

Value Added Course

In compliance with the National Education Policy 2020,
Shastri/B.A. Yoga, 1st Year, Semester-II (Computer Science)
and V.A.C. Syllabus ready format of the subject.

Subject: Artificial Intelligence **Dept. of Adhunik Gyan**

Paper No.:

Unit	Subject:	Marks	Credits
1	**Introduction:** Introduction to A.I., Intelligence Agents, Problem Solving	20	1
2	**Logic:** Logical Connectives, Well-formed formula, Tautology, Equivalences, Inference Theory	20	1
3	**Prolog Programming:** Introduction to Prolog, Deductive Database, Relation and Facts, Clauses and Instances, Queries, Substitution of Variables, Goals, Sub-goals and predicates, Relation, Recursive Rules	20	1
	Project Based on Units 1 to 3	20	1
	Internal Assessment	20	
	Total	**(60+20+20 = 100)**	4

Reference Books:

1. Artificial Intelligence: 2nd Edition, E. Rich & K. Knight, McGraw Hill Education
2. Rosen, Discrete Mathematics and its Applications
3. An Introduction to Prolog Programming, Ulle Endriss

As per new guidelines of UGC 60% syllabus of old curriculum has been revised

10/7/2023

सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
Assistant Registrar (Academic)
श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
Shri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit University
बी-4, कुतुब संस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-110016
B-4, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

बी-4, कुतुब इन्स्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली-110016

(योग विज्ञान विभाग)

4483
14/03/2022

विभाग यो. वि. वि. | दिनांक 14-3-2022

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय शैक्षणिक विभाग द्वारा आदेश सं. पत्रांक - 2-2-2022 के अनुसार एक वर्षीय पी.जी. योग एवं नैचरोपैथी डिप्लोमा पाठ्यक्रम विभागीय अध्ययन मण्डल द्वारा सत्र 2022-23 हेतु तैयार करना है, इस पाठ्यक्रम की विधिवत् पूर्णता हेतु माननीय कुलपति जी ने बाह्य विशेषज्ञ डा० पूनम आहूजा विभागाध्यक्ष - सेवकराम नैचरोपैथी सेवा केन्द्र लाजपत भवन नई दिल्ली का नाम संस्तुत किया है।

दर्शन पीठ प्रमुख की अध्यक्षता एवं विभागाध्यक्ष के निर्देशन में तथा विभागीय अध्यापकों एवं बाह्य विषय विशेषज्ञ द्वारा एक वर्षीय पी.जी. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पाठ्यक्रम दिनांक 14-3-2022 को अपराह्न पीठ प्रमुख कक्ष में निर्मित किया गया। जिसमें निम्नलिखित आचार्यगण उपस्थित रहे, पाठ्यक्रम संलग्न है।

[signature] 14/03/22 डा० नवदीप जोशी (सहा० अध्यापक)	[signature] 14/03/22 डा० विजय गुसाईं (सहा० अध्यापक)	[signature] डा० रमेश कुमार (सहा० अध्यापक)
[signature] 14/03/22 डा० पूनम आहूजा बाह्य विशेषज्ञ	[signature] 14.3.022 प्रो० महेशप्रसाद सिलोड़ी (विभागाध्यक्ष)	[signature] प्रो० केदारप्रसाद परोहा (पीठ प्रमुख)

[margin note:] 4 4 8 14/3/22 15/3/22

कुलसचिव महोदय — आवश्यक कार्यालय पत्रावली में प्रस्तुत करें [signature] 15/3/22

[signature] 14-3-22
विभागाध्यक्ष
प्रो० महेशप्रसाद सिलोड़ी

उपकुलसचिव (विकास) [signature] 15/3/22

श्री नन्दन [signature] 16/3/22 [signature] Asst (Dev) [signature] 16/3/22

[margin:] SO/Acad. ... (Dev) ... 16/3/22

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली-१६

योग विज्ञान-विभाग

स्नातकोत्तर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पाठ्यक्रम

(एक वर्षीय)

शैक्षणिक सत्र २०२२-२३

P.G. Diploma Yoga and Naturopathy (One Year)

प्रो. मुरलीमनोहर पाठक

कुलपति

प्रो. महेशप्रसाद सिलोड़ी

विभागाध्यक्ष (योग विज्ञान-विभाग)

-: OFFICE :- 46060503, 46060641

Website: http://www.slbsrsv.ac.in

Scanned with ACE Scanner

विषय परिचय एवं नियमावलि

मानव सहित समस्त जीव जन्तुओं की उत्पत्ति का कारण प्रकृति है। प्रकृति के संसाधनों द्वारा मानव अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। यदि मानव प्रकृति के साथ अनुकूल सम्बन्ध स्थापित करता है तो वह अपने जीवन को सुखमय एवं निरोगी बना सकता है। प्राकृतिक चिकित्सा केवल औषधिरहित पद्धति ही नहीं अपितु यह स्वस्थ्य जीवन जीने की कला है। यह सबसे पुरानी चिकित्सा प्रणाली है। प्राकृतिक चिकित्सा सुरक्षित प्रामाणिक पद्धति है। महात्मा गांधी जी के अनुसार प्राकृतिक चिकित्सा ही एक ऐसी पद्धति है, जो किसी को भी स्वयं स्वस्थ्य रखने में सक्षम है। भारत के भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक आधार पर प्राकृतिक चिकित्सा ही सर्व रुप से उन्नत चिकित्सा प्रणाली-स्वीकारं की गई है, इसलिए विश्व के लिए आदर्श चिकित्सा प्रणाली है। दुर्भाग्यवश प्राकृतिक चिकित्सा का विस्तार कुछ सीमा तक ही हुआ है तथा इसमें बहुत कुछ किया जाना बाकी है। (महात्मा गाँधी)

एडोस्फ जष्ट जो पाश्चात्य प्राकृतिक चिकित्सा के प्रवर्तक माने गये हैं उनके अनुसार- हम जितने प्रकृति के निकट रहते हैं उतने ही मानसिक एवं शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ्य रहते हैं। जितने दूर होते हैं उतने ही अस्वस्थ होने लगते हैं।

प्राकृतिक चिकित्सा के लक्ष्य रोगों को रोकना है, इसका प्रभाव पूर्ण स्वास्थ्य की संकल्पना, जिसका आधार भौतिक, मानसिक, नैतिक, सामाजिक, अध्यात्मिक स्तर पर हो। यह रोगियों की संख्या में भी कमी लाती है। यह मंहगी रासायनिक औषधियों के दुष्परिणामों को भी कम कर देती है। आज प्राकृतिक चिकित्सा ही सभी अजीर्ण एवं एलर्जिक बीमारियों का सही एवं अचूक इलाज है।

आधुनिक वैज्ञानिक युग में मनुष्य जैसे-जैसे भौतिक सुविधा सम्पन्न साधनों का दास बनता जा रहा है और प्रकृति से दूर होता जा रहा है, वैसे-वैसे वह अनेक नये-नये भयंकर रोगों जैसे - कैंसर, एड्स आदि का शिकार होने लगा है। उसके जीवन में महत्वाकांक्षाएं बढ़ जाने के कारण तनाव और चिन्ता ने घर बना लिया है जिससे **उच्च रक्तचाप, (High blood pressure) अनिद्रा, हृदय रोग, मधुमेह** आदि से उसका पीड़ित होना एक आम बात हो गई है।

Scanned with ACE Scanner

वर्तमान में धन एंव पद अर्जन करने की प्रतिस्पर्धा के कारण मानव के पास भोजन करने का भी समय नहीं है। आपसी सहानुभूति न होने के कारण परिवार, टूटने के कगार पर हैं। अपनी अनेक कुंठाओं से मुक्त होने के लिए व्यक्ति होटलों और क्लबों में जाकर शराब, सिगरेट और नाच गाने में देर रात तक डूबा रहता है, और जिस कारण व्यक्ति प्रदूषित वातावरण में अपने स्वास्थ्य को रोगग्रस्त कर रहा है।

स्वस्थ जीवन जीने के लिए निश्चय ही प्राकृतिक एवं नियमित आहार-विहार, सोना, जागना आवश्यक होते हैं। इसी सम्बन्ध में भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है-

युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु।
युक्तस्वप्नावबोधस्य योगो भवति दुःखहा।। गीता (३)

इसी प्रकार जब मनुष्य प्रकृति के इन नियमो की अवहेलना करता है, तो प्रकृति दण्ड स्वरुप उसे रोगी बना देती है। आज की बढ़ती हुई मंहगाई और अप्राकृतिक और मिलावटी भोजन भी स्वास्थ्य का विनाश करने में किसी से कम नहीं है। और सबसे ज्यादा भयंकर है आज की लोक व्यापक चिकित्सा पद्धति की विषैली तेज दवाएं, जिन्हें खाकर क्षणिक राहत तो मिलती है लेकिन रोग दिनों-दिन बढ़ते जाते हैं। इस भयंकर समस्या से निकलने का कोई रास्ता नहीं रह जाता और व्यक्ति रोगों से लड़ते-लड़ते धन और बल का विनाश कर बैठता है, तब उसे याद आती है बिना दवा के रोग मुक्त करने की अटूट पद्धति, **प्राकृतिक चिकित्सा।** इस पूर्ण प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति से स्वास्थ्य को आरोग्य करने के लिए फिर से मानव - आकर्षित हो रहा है इसी को ध्यान में रखते हुए वह सर्वांगीण, सरल प्राकृतिक उपचार के - मार्ग का अन्वेषण कर रहा है। मानव को अपने जीवन को सुचारू रूप से निरोग एवं प्रबल बनाने में योग विद्या का महत्त्वपूर्ण स्थान रहा है।

योग का प्रभाव

योग शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए विश्व की प्राचीनतम- प्राणाली है। शताब्दियों से भारत में योगियों, ऋषियों एवं मनीषियों द्वारा योग का अभ्यास किया गया है, जिसके द्वारा जीवन के परम लक्ष्य कैवल्य (मोक्ष) को प्राप्त किया जाता है। योगविद्या से मानसिक शान्ति एवं शारीरिक संतुलन का दिव्य - प्रभाव बना रहता है, इससे मेरुदण्ड में लचीलापन एवं स्नायुतन्त्र में निरन्तर - वृद्धि होने लगती है, इससे शनैः शनै मूलाधारादि षट्चक्र भेदन भी होने लगता है। मानव, योग- प्रणाली द्वारा अपने खोये हुए स्वास्थ्य को पुनः प्राप्त कर सकता है, यह प्रणाली मानसिक शान्ति को जन्म देती है, तथा आत्मतत्व में गुप्तशक्तियाँ उद्घाटित करती है, साथ ही अपने संकल्पशक्ति में प्रचुर-वृद्धि कर करती है, एवं जीवन के सभी क्षेत्रों में सफलता प्राप्त होती है मानव इस

Scanned with ACE Scanner

प्रणाली द्वारा आत्म साक्षात्कार के उत्कृष्ट शिखर पर आसीन हो सकता है। अर्थात् आत्मस्वरुप को पहचानने में सक्षम हो जाता है। लिखा है- **तदा द्रष्टुः स्वरुपेऽवस्थानम्**''

योगासन क्रिया अन्य व्यायामादि– क्रियाओं से नितान्त – भिन्न है। क्यों कि योगक्रियाओं में श्वास–प्रणाली को केन्द्रित कर योगाभ्यास किया जाता है। योगक्रिया आसन, मन शरीर के सूक्ष्म सम्बन्ध के पूर्णज्ञान पर आधारित एक अद्‌भुत प्रणाली है, अन्य सभी योग–कर्मयोग, राजयोग, भक्तियोग एवं ज्ञानयोग आदि की सिद्धियों के लिए यह एक साधन प्रक्रिया है।

भगवान् हिरण्यगर्भ को ही योग का प्रथम–उपदेष्टा माना गया है, **हिरण्यगर्भ योगस्य वक्ता नान्यः पुरातनः** परन्तु इसे सूत्ररूप में परिणत करने वाले महर्षि पतञ्जलि का नाम योगदर्शन में अग्रणी–रूप से स्वीकार किया गया है। योग को 'समाधि' के अर्थ में स्वीकार करते हुए ''**योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः** '' इत्यादि सूत्रों से शास्त्र का प्रतिपादन एवं प्रारम्भ किया गया है, जिसका प्रभाव सम्पूर्ण योगशास्त्र में है।

योगदर्शन में मुख्यरूप से अष्टांगयोग का उल्लेख माना जाता है, जिसमें योग के आठ अंगों का विस्तार से उल्लेख किया गया है, तथा अष्टम –सोपान जो समाधि है, उसे भी दो भेदों में गूढतम रहस्यों द्वारा प्रतिपादन किया गया है, अन्त में योग का फल मोक्ष को भी प्रमाणपूर्वक सिद्ध किया गया है। कहा गया है (जीवन ही योग है, योग ही मोक्ष है)।

शरीर को आरोग्य ररवने हेतु देश में अनेक योग प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र खुले हैं उसी क्रम में श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा योग विज्ञान विभाग में एक वर्षीय स्नातकोतर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पाठ्यक्रम प्रारम्भ हो रहा है। वर्तमान में योग विज्ञान विभाग के अन्तर्गत बी.ए., एम. ए., पी.जी.योग डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स संचालित किये जा रहे हैं। भविष्य में शीघ्र पी. एच. डी. पाठ्क्रम प्रारम्भ हो जा रहा है।

प्रो. महेश प्रसाद सिलोड़ी

विभागाध्यक्ष योग विज्ञान विभाग

Scanned with ACE Scanner

स्नातकोत्तर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा (एक वर्षीय)

पाठ्यक्रम नियमावली

P.G. Diploma of Yoga and Naturopathy (One Year)

उद्देश्य:

1. विश्वविद्यालय का मूल उद्देश्य भारतीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक रूप से प्रचार करना।
2. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सक तैयार करना।
3. योग एवं चिकित्सा पद्धति मार्ग से सरकारी, अर्धसरकारी एवं निजी संस्थाओं में रोजगार प्राप्त कराना।
4. देश-विदेश में भारतीय चिकित्सा पद्धति को प्रारम्भ कराने हेतु प्रेरणा देना।
5. योग चिकित्सा एवं प्राकृतिक चिकित्सा द्वारा रोगी को आरोग्य बनाना।
6. प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से विषैली दवाओं का उपसमन करना।

सामान्य नियमावली:

1. योग विभागान्तर्गत प्रत्येक पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले छात्रों को विश्वविद्यालय के नियमों का पालन करना अनिवार्य है।
2. विश्वविद्यालय परिसर में छात्रों को भारतीय संस्कृति एवं वैदिक परम्पराओं का निर्वहन करना अनिवार्य होगा।
3. कक्षा कालांश में 15 मिनट से ज्यादा विलम्ब होने पर उस कालांश की अनुपस्थिति लगा दी जायेगी।
4. कक्षा में 75% उपस्थिति होने पर ही छात्र परीक्षा में बैठने का अधिकारी होगा। पर्याप्त एवं उचित कारण होने पर कुलपति महोदय 5 प्रतिशत की छूट दे सकते हैं।
5. उक्त पाठ्यक्रम का अध्यापन हिन्दी, अंग्रेजी तथा संस्कृत होगा।
6. इन पाठ्यक्रमों में पढ़ने वाले सभी छात्रों को विश्वविद्यालय की सुविधाएं (डी.टी.सी. पास आदि) नियमानुसार मिलेगी।

14.3.22

Scanned with ACE Scanner

7. योग को प्रयोगिकी कक्षाऐं प्रात: 06.30 बजे से 09.30 बजे तक संचालित होंगी। ये कक्षाएं सप्ताह में शनिवार एवं रविवार सहित चार दिवसों में संचालित की जायेंगी।
8. सैद्धान्तिक कक्षाऐं शनिवार एवं रविवार को प्रायोगिक कक्षाओं के उपरान्त 10.00 बजे से 01.00 बजे तक होंगी। समयानुसार सैद्धान्तिक कक्षाओं में दिवस भी अधिक हो सकते हैं।
9. प्राकृतिक चिकित्सा प्रयोगिक प्रशिक्षण द्वितीय सत्र में विश्वविद्यालय द्वारा नामित संस्थान में एक माह का होगा। जिसका समय प्रात: 08.00 बजे से 02.00 बजे तक रहेगा।
10. पाठ्यक्रम में प्रथम सत्र में 05 पत्र तथा द्वितीय सत्र में भी 05 पत्र होंगे। जो 100 अंको के निर्धारित होंगे।
11. उक्त पाठ्यक्रम में वैकल्पिक चिकित्सा सम्बन्धी पत्रों का भी अध्ययन अध्यापन किया जायेगा।
12. प्रयोगिक प्रशिक्षण 90 मिनट का तथा सैद्धान्तिक कालांश 60 मिनट का रहेगा।

प्रवेश नियमावली:

1. मान्यता प्राप्त चिकित्सक द्वारा स्वास्थ्य प्रमाणपत्र देने पर ही प्रार्थी का प्रवेश मान्य होगा।
2. प्रवेशार्थी ने विधि द्वारा स्थापित मान्यता प्राप्त संस्थान, महाविद्यालय, विद्यापीठ/विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में 10+2+3 परीक्षा 40 प्रतिशत से उत्तीर्ण की हो, प्रवेश अन्तिम परीक्षा के अंको के आधार पर वरीयता क्रम से होगा।
3. प्रवेशार्थी की आयु 35 वर्ष से अधिक न हो, कहीं योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्रों में कार्य कर रहे अभ्यर्थी की आयु में शिथिलता कुलपति महोदय जी के दिशा-निर्देशानुसार सम्भव होगा।
4. भारतीय दर्शन, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा क्षेत्र में कार्य कर रहे अभ्यर्थी को प्रवेश में प्राथमिकता प्रदान की जा सकती है।
5. प्रवेश एवं साक्षात्कार निर्धारित तिथि तक प्राप्त आवेदन पत्रों के आधार पर ही होगा।
6. प्रवेश समय अभ्यर्थी को मूल प्रमाणपत्र दिखाने अनिवार्य होंगे। साथ ही छाया प्रमाणपत्रों को प्रत्याशी द्वारा स्वयं प्रमाणित करना होंगे।
7. प्रवेश समिति में दर्शन पीठ प्रमुख, विभागाध्यक्ष तथा विभागीय अध्यापकों सहित विभाग का पूर्ण सहयोग रहेगा।

14-3-2022

Scanned with ACE Scanner

8. योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पाठ्यक्रम डिप्लोमा हेतु प्रवेश शुल्क 15,000/- (पन्द्रह हजार रूपये) सुनिश्चित किया गया है।
9. यौगिक एवं प्राकृतिक चिकित्सा सामग्री का निर्वहन छात्र स्वयं करेंगे।
10. पुस्तकालय सेवा केवल अध्ययन करने के लिए होगी, पुस्तकालय कार्ड प्राप्त नहीं होंगे।
11. उक्त पाठ्यक्रम में 50 स्थान निश्चित किये गये हैं।
12. आरक्षण का नियम विश्वविद्यालय के नियमानुसार होगा।

विशेष:-न्यायिक प्रक्रिया राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली ही मान्य होगी।

Scanned with ACE Scanner

स्नातकोत्तर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा (एक वर्षीय) पाठ्यक्रम

One Year P.G. Diploma in Yoga & Naturopathy (D.Y.N)

प्रथम सत्र (प्रथम पत्र)

योग का महत्त्व एवं सिद्धान्त
(Importance & Principles of Yoga)

इकाई	विषय:	अंक: 100	क्रेडिट: 06
प्रथमः इकाई	योग का अर्थ, परिभाषा, योग की परम्परा, विभिन्न शास्त्रों में योग का वर्णन - वेद, वशिष्ठ, गीता, उपनिषद् एवं आयुर्वेद।	15	01
द्वितीयः इकाई	महर्षि पतञ्जलि के अनुसार योग की परिभाषा, चित्त का स्वरूप, चित्तभूमियाँ, वृत्तियाँ, चित्तवृत्ति निरोध के उपाय, क्रियायोग, ईश्वरस्वरूप	15	01
तृतीयः इकाई	हठयोग का अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य, योग अभ्यास हेतु उचित स्थान, ऋतुकाल, वेशभूषा, आहार, साधक- बाधक तत्व, मठस्थापन, हठयोग की उपयोगिता, महत्व	15	01
चतुर्थः इकाई	घेरण्ड संहिता और हठयोग प्रदीपिका के अनुसार- आसन, षट्कर्म, प्राणायाम, बन्ध, मुद्रा, प्रत्याहार, ध्यान, समाधि, नादानुसंधान, कुण्डलिनी।	15	01
पंचमः इकाई	योगियों का जीवन परिचय-महर्षि पतंजलि, आदिगुरुशंकराचार्य, महर्षि दयानन्द, गुरुगोरक्षनाथ, श्री अरविंद, स्वामी विवेकानन्द, स्वामी कुवलयानन्द।	15	01
षष्ठः इकाई	कक्षा कार्य, उपस्थिति, अनुशासन आदि।	20	01

सन्दर्भ ग्रन्थ

योग विज्ञान - स्वामी विज्ञानानंद सरस्वती
वेदों में योग विद्या - स्वामी दिव्यानंद
योग मनोविज्ञान - शान्तिप्रकाश आत्रेय
भारतीय दर्शन - आचार्य बलदेव उपाध्याय
औपनिषदिक अध्यात्म विज्ञान - डॉ0 ईश्वर भारद्वाज
योग सिद्धान्त एवं साधना - प्रो0 महेश प्रसाद सिलोड़ी
Yoga Darshan - Sw. Niranjananda Saraswati
भारत के संत महात्मा - रामलाल
भारत के महान योगी - विश्वनाथ मुखर्जी
योगामृतम् - डॉ0 महेश प्रसाद सिलोड़ी

Scanned with ACE Scanner

स्नातकोत्तर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा (एक वर्षीय) पाठ्यक्रम

One Year P.G. Diploma in Yoga & Naturopathy (D.Y.N)

प्रथम सत्र (द्वितीय पत्र)

योग एवं स्वास्थ्य (Yoga & Health)

इकाई	विषय:	अंक: 100	क्रेडिट: 06
प्रथम: इकाई	स्वास्थ्य की परिभाषा, स्वस्थ पुरुष के लक्षण, स्वस्थवृत्त विज्ञान एवं इसका प्रयोजन। दिनचर्या- प्रातःकालीन नित्यकर्म (प्रातःकालीन जागरण, ऊषापान, मलत्याग, मुख-शोधन, जिह्वा निर्लेखन, चक्षुप्रक्षालन, दन्तधावन व गंडूष धारण) व्यायाम- परिभाषा, योग्यायोग्य, प्रकार, उचित व्यायाम के लक्षण व लाभ, सामान्य व्यायाम व योग व्यायाम में अन्तर।	16	01
द्वितीय: इकाई	अभ्यंग- परिभाषा एवं उद्देश्य, स्नान- अर्थ व परिभाषा, उद्देश्य, स्नान के भेद व समय, संसाधन, निषेधात्मक स्थितियां व लाभ। निद्रा- परिभाषा, उद्देश्य, प्रकार, कारणीय सिद्धान्त व लाभ, अनिद्रा के लक्षण व उपाय।	16	01
तृतीय: इकाई	ब्रह्मचर्य- अवधारणा, सिद्धान्त, उद्देश्य व महत्व। ऋतुचर्या- ऋतुविभाजन व इनकी विशेषताएं, ऋतु अनुसार आहार-विहार, दोषों का संचय, प्रकोप व प्रशमन। ऋतु-हरीतकी। ऋतुओं व आहारीय रसों का सम्बन्ध। ऋतुओं व आहारीय रसों का सम्बन्ध। ऋतुओं व जल सेवन का सम्बन्ध। ऋतु-सन्धि नियम। यमदृष्टा। सद्वृत्त के प्रकार व कतिपय उदाहरण, धारणीय व अधारणीय वेग आधारित आचार रसायन, आचार-रसायन आधारित आचरणीय नियम।	16	01
चतुर्थ: इकाई	आहार- अवधारणा व परिभाषा, उद्देश्य, गुण-धर्म, मात्र व काल, संतुलित आहार, आहार के घटक द्रव्य- कार्बोज, प्रतनक, वसा, खनिज लवण, विटामिन्स व जल के गुण-धर्म, शरीर हेतु कार्य, आहारीय स्रोत व सम्बन्धित अभावजन्य व्याधियां।	16	01
पंचम: इकाई	मिताहार, फलाहार, रसाहार, अपक्वाहार, अंकुरित आहार, दुग्धाहार, शाकाहार, मांसाहार की अवधारणा व लाभ। विषम भोजन- अवधारणा व हानियां। नशीले पदार्थ- गुण-धर्म व सेवन से हानियां। योग आधारित आहारीय नियमावली।	16	01
षष्ठ: इकाई	कक्षा कार्य, उपस्थिति, अनुशासन आदि।	20	01

संदर्भ ग्रंथ

1. जीवेम शरदः शतम - पं. श्रीराम शर्मा आचार्य सम्पूर्ण वाङ्मय, खण्ड - 41
2. स्वस्थवृत्त विज्ञान - प्रो. रामहर्ष सिंह
3. स्वस्थवृत्तम - शिवकुमार गौड़
4. आहार और स्वास्थ्य - डॉ. हीरालाल
5. रोगों की सरल चिकित्सा - विट्ठल दास मोदी
6. योग से आरोग्य - इण्डियन योग सोसाइटी

Scanned with ACE Scanner

स्नातकोत्तर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा (एक वर्षीय) पाठ्यक्रम
One Year P.G. Diploma in Yoga & Naturopathy (D.Y.N)

प्रथम सत्र (तृतीय पत्र)

मानव शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान
(Human Anatomy and Physiology)

इकाई	विषय:	अंका: १००	क्रेडिट: ०६
प्रथम: इकाई	आयुर्वेद के अनुसार शरीर की रचना, अष्टांग आयुर्वेद परिचय, 16 दोष (वात, पित, कफ) धातु, मल, मानवीय कोशिका की रचना, ऊतक त्वचा संस्थान के उपांग, त्वचा के कार्य एवं बनावट मर्म विज्ञान परिचय, स्त्रोतसवह संस्थान का वर्णन, शरीर में षट्चक्र की स्थिति।	१६	०१
द्वितीय: इकाई	अस्थि संस्थान, अस्थियों का संगठन कार्य एवं भेद, जोड़ एवं सन्धियों का वर्णन, पेशीतन्त्र, बनावट, शरीर की मुख्य पेशियां एवं उनके कार्य उत्सर्जन तन्त्र, वृक्क की रचना तथा कार्य, उत्सर्जन तन्त्र पर योग का प्रभाव, रक्त परिसंचरण, हृदय एवं रक्त की रचना एवं कार्य।	१६	०१
तृतीय: इकाई	पाचन तन्त्र, पाचन तन्त्र की रचना क्रिया यकृत एवं अग्नाशय की रचना एवं कार्य, पाचन संस्थान पर योग का प्रभाव, षट्कर्म से पाचन संस्थान का शोधन, श्वसन संस्थान - श्वसन तन्त्र पर योग का प्रभाव, प्राण की परिभाषा एवं क्रिया विधि, योग और भेद प्राणायाम की महत्व।	१६	०१
चतुर्थ: इकाई	अन्त: स्त्रावी संस्थान, अन्त: स्वस्त्रावी व बहिस्त्रावी ग्रन्थिया, इन्जाइम एवं हार्मोन में अन्तर, पिनियल ग्रन्थि, पीयूष ग्रन्थि, चुल्लिका ग्रन्थि, परिचुल्लिका ग्रन्थी, थायमस, अग्नाशय, एडीनल ग्रन्थि, डिम्ब व अण्डकोष ग्रन्थियो की रचना, हार्मोन एवं उनके कार्य, योग का इन ग्रन्थों पर प्रभाव।	१६	०१
पंचम: इकाई	तंत्रिका तंत्र, तन्त्रिका संस्थान का वर्गीकरण, मस्तिष्क, सुषुम्ना, कापालीय तंत्रिकाएँ स्पाइनल चित्रकार, फलेक्सस, तन्त्रिका तन्त्र पर योग का प्रभाव, ज्ञानेन्द्रियों की स्पना, रचना एवं कार्य, ज्ञानेनियों पर योग का प्रभाव	१६	०१
षष्ठ: इकाई	कक्षा कार्य, उपस्थिति, अनुशासन आदि	२०	०१

संदर्भ ग्रंथ-

1. शरीर रचना एवं क्रिया विज्ञान- प्रो. (डॉ.) अनन्त प्रकाश गुप्ता
2. Basic Anatomy and physiology- A.K. Jain
3. सुश्रुत संहिता- अत्रिदेव
4. आयुर्वेदीय क्रिया शरीर-वैद्य रणजीत राय देसाई
5. शरीर क्रिया विज्ञान- डॉ. प्रियवृत
6. शरीर रचना विज्ञान- डॉ. मुकुन्द स्वरूप वर्मा

14-3-22

Scanned with ACE Scanner

स्नातकोत्तर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा (एक वर्षीय) पाठ्यक्रम
One Year P.G. Diploma in Yoga & Naturopathy (D.Y.N)

प्रथम सत्र (चतुर्थ पत्र)

प्राकृतिक चिकित्सा के सिद्धान्त (Principles of Naturopathy)

इकाई	विषय:	अंका: 100	क्रेडिट: 06
प्रथम: इकाई	प्राकृतिक चिकित्सा का इतिहास (आधुनिक, प्राचीन), प्राकृतिक चिकित्सा दर्शन, प्राकृतिक चिकित्सा के मूल सिद्धान्त। विजातीय द्रव्यों का सिद्धान्त, रोगो के उभार का सिद्धान्त, जीवनी शक्ति बढ़ाने के उपाय, आकृति द्वारा रोग की पहचान एवं निदान।	16	01
द्वितीय: इकाई	जल तत्व चिकित्सा-जल का महत्व, जल के गुण, विभिन्न तापक्रम के अनुसार जल का शरीर पर प्रभाव, जल चिकित्सा के सिद्धान्त, जलसेवन, प्राकृतिक स्नान, साधारण व घर्षण स्नान, कटि स्नान, मेहन स्नान, वाष्प स्नान, रीढ़ स्नान, उष्ण पाद स्नान, जल की पट्टियां, स्पंज, एनिमा।	16	01
तृतीय: इकाई	पृथ्वी तत्व चिकित्सा-मिट्टी, सूर्य व वायु चिकित्सा- मिट्टी का महत्व, प्रकार एवं गुण। शरीर पर मिट्टी का प्रभाव। मिट्टी की पट्टियां। अग्नितत्व चिकित्सा- सूर्य स्नान का महत्त्व, शरीर पर सूर्यप्रकाश की किरणों का सिद्धान्त एवं विभिन्न रंगो का प्रयोग, सूर्य स्नान की विधि, वायु का महत्व।	16	01
चतुर्थ: इकाई	वायुतत्व चिकित्सा-अभ्यंग की परिभाषा, इतिहास व महत्त्व, अभ्यंग का विभिन्न अंगो पर प्रभाव एवं नैसर्गिक विधियां- समान्य, घर्षण, थपकी, मसलना, दलना, कम्पन, बोलना, सहलाना, झकझोरना, ताल, मुक्की, चुटकी आदि। आयुर्वेदिक विधि, मर्दन, अवगाहन, परिषेक, सिंचन, रोगों में अभ्यंग।	16	01
पंचम: इकाई	आकाश तत्व चिकित्सा-उपवास का सिद्धान्त अन्त: व वाह्य शारीरिक किया-प्रतिकिया, रोग का उभार व उपवास, उपवास के नियम, उपवास के प्रकार-दीर्घ, लघु, पूर्ण, अर्धा जलउपवास, रसोपवास, फलोपवास, एकाहारोपवास। वायु का आरोग्यकारी प्रभाव, वायु स्नान।	16	01
षष्ठ: इकाई	कक्षा कार्य, उपस्थिति, अनुशासन आदि।	20	01

संदर्भ ग्रन्थ-

चिकित्सा उपचार के विविध आयाम- पं. श्रीराम शर्मा आचार्य सम्पूर्ण वाङ्मय, खण्ड-40
जीवेम शरद: शतम - पं. श्रीराम शर्मा आचार्य सम्पूर्ण वाङ्मय, खण्ड-41
स्वस्थवृत विज्ञान प्रो. रामहर्ष सिंह
स्वस्थवृत्तम - शिवकुमार गौड़
आहार और स्वास्थ्य डॉ. हीरालाल
रोगों की सरल चिकित्सा विट्ठल दास मोदी
आयुर्वेदीय प्राकृतिक चिकित्सा - राकेश जिन्दल
Diet and Nutrition - Dr. Rudolf
History and Philosophy of Naturopathy - Dr. S.J. Singh
Nature Cure - Dr. H. K. Bakhru
The Practice of Nature Cure - Dr. Henry Lindlhar
आहार स्वास्थ्य के लिए- ए. पी. दीवान

14-3-22

Scanned with ACE Scanner

स्नाकोत्तर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा (एक वर्षीय) पाठ्यक्रम

One Year P.G.Diploma in Yoga & NaturopathY(D.Y.N)

योग प्रयोगिक (Yoga Practical)

प्रथम सत्र (पंचम)

इकाई	विषय:	अंका:८०	क्रेडिट:०६
प्रथम: इकाई	श्वसन एंव सुक्ष्म क्रियायें, सूर्य नमस्कार, खड़े होकर किए जाने वाले आसन ताड़ासन,तिर्यक ताड़ासन, ध्रुवासन, कटिचक्रासन, गरूड़ासन, नटराजासन, कोणासन, त्रिकोणासन हस्तोत्तानासन, पादहस्तासन, वीरासन, वीरभद्रासन, बैठकर किए जाने वाले आसन उत्कटासन, गौमुखासन, अर्धमत्स्येन्द्रासन, वक्रासन, मार्जारासन, जानुशीर्षासन, भद्रासन, सिंहासन, पद्मासन, कूष्टासन, शशांकासन, वज्रासन, मण्डूकासन, कूर्मासन, पश्चिमोत्तानासन वकासन, मयूरासन, कुक्कुटासन, गर्भासन, टिट्टिभासन, शीर्षासन, वृश्चिकासन, तोलांगुलासन, उत्थितपद्मासन,	२०	०१
द्वितीय:इकाई	लेटकर किए जाने वाले आसन - उत्तानपादासन, नौकासन, सेतुबन्धासन, हलासन, कर्णपीड़ासन, सर्वांगासन, मत्स्यासन, शवासन, शलभासन, भुजंगासन, धनुरासन, पर्वतासन, विपरीतनौकासन, मकरासन, बालासन,	१५	०१
तृतीय:इकाई	नाड़ीशोधन, सूर्यभेदी, उज्जायी, शीतकारी, शीतली, भस्त्रिका, भ्रामरी, उद्गीथ हस्तमुद्राएँ ज्ञान मुद्रा, ब्रहमाञ्जलि मुद्रा, प्राण, अपान एवं, लिंग मुद्रा, विपरीतकरणी मूलबन्ध, उड्डियानबन्ध जालन्धरबन्ध, महामुद्रा, महाबन्ध	१५	०१
चतुर्थ:इकाई	कुञ्जल, सूत्रनेति, जलनेति, दण्डधौति, वस्त्रधौति, नौलि, वारिसार धौति कपालभाति, त्राटक	१५	०१
पंचम:इकाई	सूर्यनमस्कार के मंत्र, प्रार्थना मंत्र, स्वस्ति मंत्र, शांति मंत्र ध्यान विधियाँ।	१५	०१
षष्ठ:इकाई आन्तरिक मूल्यांकन	कक्षा कार्य, आन्तरिक मूल्यांकन, अनुशासन, कक्षा उपिस्थति।	२०	०१

Scanned with ACE Scanner

स्नातकोत्तर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा (एक वर्षीय) पाठ्यक्रम

One Year P.G. Diploma in Yoga & Naturopathy (D.Y.N)

द्वितीय सत्र (प्रथम पत्र)

भारतीय वाङ्मय में योग के आधारभूत सिद्धान्त

(Basic Principle of Yoga in Indian Vangmaya)

इकाई	विषय	अंक: 100	क्रेडिट:
प्रथम इकाई	गीता के अनुसार गीतानुसार, कर्मयोग, भक्तियोग, ज्ञानयोग, आत्मा का स्वरूप, स्थितप्रज्ञ के लक्षण, गुणसृष्टि, कर्म सिद्धान्त,	16	1
द्वितीय इकाई	सांख्यकारिका के अनुसार दुःख का त्रैविध्य, दुःखापघात के उपाय, गुणों का स्वरूप, प्रमाण का स्वरूप और भेद, 25 तत्वों की उत्पत्ति एवं सत्कार्यवाद।	16	
तृतीय इकाई	सांख्यकारिका के अनुसार पुरुष सिद्धि, प्रकृति सिद्धि, पुरुष अस्तित्व एवं बहुत्व, बुद्धि के आठ धर्म, गुणधर्म, त्रयोदश करण, सूक्ष्म शरीर, अष्ट सिद्धि एवं मोक्ष।	16	1
चतुर्थ इकाई	उपनिषदों में योग का स्वरूप योगोपनिषद, योगवशिष्ट, ईश, केन, कठ, माण्डूक्य, तैत्तरीय।	16	1
पंचम इकाई	भारतीय दर्शन में योग का स्वरूप- जैन, बौद्ध, वेदान्त।	16	1
षष्ठ इकाई	कक्षाकार्य, गृहकार्य, अनुशासन, उपस्थिति आदि	20	1

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. कल्याण योगतत्त्वांक — गीताप्रेस, गोरखपुर।
2. योग मनोविज्ञान — शांति प्रकाश आत्रेय।
3. उपनिषदों में योग — डॉ. ईश्वर भारद्वाज, क्लासिकल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. गीतार्थ संग्रह — डॉ. विजयपाल शास्त्री, सत्यम प्रकाशन, दिल्ली।
5. श्रीमद् भगवद्गीता भाष्य — आचार्य शंकर, लोकमान्य तिलक, सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार।
6. सांख्यतत्त्वकौमुदी — वाचस्पति मिश्र
7. सांख्यकारिका — ईश्वरकृष्ण
8. Essays on Yoga — Shivanand
9. पातञ्जल योगप्रदीप — ओमानन्द तीर्थ गीता प्रेस
10. सांख्यसुधा — प्रो. महेशप्रसाद सिलोड़ी (मान्यता प्रकाशन दिल्ली)
11. योगामृतम् — प्रो. महेशप्रसाद सिलोड़ी (मान्यता प्रकाशन दिल्ली)
12. योग सिद्धान्त एवं साधना — प्रो. महेशप्रसाद सिलोड़ी
13. योगवाशिष्ट — गीताप्रेस, गोरखपुर
14. शिवसूत्रम् — प्रो. शुद्धानन्दपाठक

Scanned with ACE Scanner

स्नातकोत्तर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा (एक वर्षीय) पाठ्यक्रम

One Year P.G. Diploma in Yoga & Naturopathy (D.Y.N)

द्वितीय सत्र (द्वितीय पत्र)

वैकल्पिक चिकित्सा

(Alternative Therapy)

इकाई	विषय:	अंका: १००	क्रेडिट: ०६
प्रथम: इकाई	वैकल्पिक चिकित्सा की अवधारणा, योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा का सम्बन्ध, वैकल्पिक चिकित्सा के क्षेत्र, सीमाएँ, वैकल्पिक चिकित्सा की आवश्यकता एवं महत्व। एक्यूप्रेशर का अर्थ एवं इतिहास, एक्यूप्रेशर के सिद्धान्त एवं विधि, एक्यूप्रेशर के उपकरण, एक्यूप्रेशर के लाभ, विभिन्न दाब विन्दुओं का परिचय। एक्यूप्रेशर एवं सुजोक में साम्यता एवं विषमता।	१६	०१
द्वितीय: इकाई	प्राण चिकित्सा–प्राण का अर्थ, स्वरूप एवं प्रकार, प्राण चिकित्सा का परिचय, इतिहास एवं सिद्धान्त, ऊर्जा–केन्द्र, प्राण चिकित्सा की विभिन्न विधियां, प्राण चिकित्सा में रंग एवं चक्रों का महत्व, विभिन्न रोगों में प्राण चिकित्सा का प्रभाव।	१६	०१
तृतीय: इकाई	**न्यूरोथैरेपी के सिद्धान्त-** डॉ. लाजपतराय मेहरा न्यूरोथैरेपी का संक्षिप्त परिचय। न्यूरोथैरेपी क्या है? न्यूरोथैरेपी कैसे काम करती है? न्यूरोथैरेपी के जनक कौन है? न्यूरोथैरेपिस्ट को उपचार शुरू करने से पहले ध्यान रखने के लिए सामान्य नियम एवं सावधानियाँ। न्यूरोथैरेपी की मुख्य मान्यतायें। LMNT फारमुले एवं उनके उपयोग।	१६	०१
चतुर्थ: इकाई	क– यज्ञ चिकित्सा– यज्ञ का अर्थ एवं परिभाषा, यज्ञ चिकित्सा के सिद्धान्त, क्षेत्र एवं परिसीमा। रोगानुसार यज्ञ चिकित्सा हेतु यज्ञ सामग्री की जानकारी।	१६	०१
पंचम: इकाई	ख– स्वर चिकित्सा– स्वर चिकित्सा की अवधारणा व उद्देश्य, स्वर चिकित्सा के सिद्धान्त स्वर का अर्थ, प्रकृति व प्रकार, शरीरस्थ नाड़ियों की सामान्य जानकारी, अग्निमांद्य, कब्ज, दमा, प्रतिष्याय, अम्लता, उच्च व निम्न रक्तचाप, मोटापा, अनिद्रा।	१६	०१
षष्ठ: इकाई	कक्षा कार्य, उपस्थिति, अनुशासन आदि	२०	०१

संदर्भ ग्रन्थ–

Introduction to Upanishads – Theosophical Society of India, Adyar, Madras, 1976)
औपनिषदिक अध्यात्म विज्ञान – डा० ईश्वर भारद्वाज
उपनिषद् संग्रह– प्रकाशक मोतीलाल बनारसीदास
भारतीय दर्शन – आचार्य बलदेव उपाध्याय
भारतीय संस्कृति के विविध आयाम– डा० अरूण जायसवाल
कल्याण (योग तत्त्वांक) – गीताप्रेस गोरखपुर
कल्याण (योगांक) – गीता प्रेस गोरखपुर
डॉ० लाजपतराय मेहरा न्यूरोथेरेपी

Scanned with ACE Scanner

स्नातकोत्तर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा (एक वर्षीय) पाठ्यक्रम

One Year P.G. Diploma in Yoga & Naturopathy (D.Y.N)

द्वितीय सत्र (तृतीय पत्र)

रोग एवं प्राकृतिक चिकित्सा (Disease and Naturopathy)

इकाई	विषय:	अंका: 100	क्रेडिट: 06
प्रथम: इकाई	पाचन तंत्र के रोग एवं प्राकृतिक चिकित्सा- कब्ज, अजीर्ण, यकृतविकार, मोटापा, मधुमेह, बावासीर, पीलिया। दांत के रोग- पायरिया, मसूढा फूलना, मुँह का छाला।	16	01
द्वितीय: इकाई	अस्थि तन्त्र के रोग एवं प्राकृतिक चिकित्सा- अस्थियों की सूजन, सर्वाइकल व लम्ब्र (स्पोन्डिलाईटिस) जोड़ों की सूजन/गठिया (अस्टियोपोरोसिस), सूखा रोग।	16	01
तृतीय: इकाई	पेशीतन्त्र के रोग एवं प्राकृतिक चिकित्सा - कमरदर्द, मस्कुलर डिस्ट्राफी, टेटनस, मायोपैथी, रक्त संस्थान के रोग- हृदयरोग, उच्च एवं निम्न रक्त चाप, एनीमीया, ल्यूकोमिया। संक्रामक ज्वर- मलेरिया, टाइफाईड, डेंगु।	16	01
चतुर्थ: इकाई	नाक एवं श्वसन तन्त्र के रोग एवं प्राकृतिक चिकित्सा - नजला-जुकाम, साइनोसाईटिस, न्युमोनिया, खासी, अस्थमा, टांसिलिटिस। कान के रोग- बहरापन, कान का बहना।	16	01
पंचम: इकाई	अन्त: स्त्रवी तन्त्र के रोग एवं प्राकृतिक चिकित्सा - थाइराइड, मधुमेह। तंत्रिका तन्त्र के रोग- माइग्रेन, पार्किंसन्स, मिर्गी, लकवा, अनिद्रा, अल्जाइमर, सिजोफेरेनियॉ, निराशा, अवशाद।	16	01
षष्ठ: इकाई	कक्षा कार्य, उपस्थिति, अनुशासन आदि।	20	01

सन्दर्भ ग्रन्थ-

योग चिकित्सा- स्वामी कुवल्यानंद
योग और स्वास्थ्य- डॉ० नवीन भट्ट
रोगों की सरल चिकित्सा- विट्ठल दास मोदी
रोग एवं योग- स्वामी सत्यानन्द सरस्वती

Scanned with ACE Scanner

स्नातकोत्तर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा (एक वर्षीय) पाठ्यक्रम
One Year P.G. Diploma in Yoga & Naturopathy (D.Y.N)

द्वितीय सत्र (चतुर्थ पत्र)

प्राकृतिक चिकित्सा प्रयोगात्मक प्रशिक्षण

इकाई	विषय	अंक: 100	क्रेडिट:
प्रथम इकाई	मट्टी चिकित्सा (1) मिट्टी की गरम पट्टी (2) मिट्टी की ठंडी पट्टी (3) गरम मिट्टी की पट्टी (4) रज स्नान (5) पंक स्नान (6) बालू घर्षण (7) मिट्टी स्नान (8) आहार चिकित्सा।	15	I
द्वितीय इकाई	जल चिकित्सा (1) ठंडी जल पट्टी (2) गर्म जल पट्टी (3) गीली चादर लपेट (4) रीढ़ स्नान (5) घर्षण स्नान (6) पैर स्नान (7) कटि स्नान (8) मेहन स्नान (9) जल पान (10) एनिमा।	15	I
तृतीय इकाई	अग्नि चिकित्सा (1) सूर्य स्नान, सूर्य किरण चिकित्सा	15	I
चतुर्थ इकाई	वायु चिकित्सा (1) वायु सेवन (2) स्वर चिकित्सा (3) मालिश चिकित्सा , व्यायाम , योगासन , प्राणायाम , षट क्रिया	15	I
पंचम इकाई	आकाश चिकित्सा (1) विश्राम (2) गाढ़ी निद्रा (3) मनोरंजन (4) उपवास चिकित्सा	20	I
षष्ठ इकाई	कक्षाकार्य, गृहकार्य, अनुशासन, उपस्थिति आदि	20	I

सन्दर्भ ग्रन्थ-

प्राकृतिक आयुर्वविज्ञान- राकेश जिन्दल
Nature care- Dr. H.K. Bakru
Theraphy of Naturopathy – Dr. Henry Lindlahr

Scanned with ACE Scanner

स्नातकोत्तर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा (एक वर्षीय) पाठ्यक्रम
One Year P.G. Diploma in Yoga & Naturopathy (D.Y.N)

द्वितीय सत्र (पंचम पत्र)

इकाई	विषय	अंक: 100	क्रेडिट:
प्रथम इकाई	प्राकृतिक चिकित्सा प्रशिक्षण परियोजना (Naturopathy Project) (अस्पताल, विद्यालय, स्वयं सेवी संस्था में प्राकृतिक प्रशिक्षण) (Hospital, School and N.G.O)	50	1
द्वितीय इकाई	मौखिकी- प्रशिक्षण परियोजना के सन्दर्भ में।	50	1

Scanned with ACE Scanner